gramvaani

लेखक: मीरा जौहरी, सुमीत अग्रवाल, अमन खुल्लर, दिनेश चंद्र, विजय साई प्रताप, आदित्येश्वर सेठ

2020 POLICY BRIEF

शुरुआत के **100** दिन

भारत में COVID-19 ने ग़रीब और कमज़ोर वर्ग को कैसे प्रभावित किया है?

अध्ययन के बारे में

COVID-19 महामारी स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित कर रही है।

COVID-19 को फैलने से रोकने के लिए भारत में सख्त सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को तेज़ी से अपनाया गया है। 25 मार्च को जब भारत में कुल 497 कोरोना के मामले थे तो भारत सरकार ने इस महामारी को रोकने और संकट को कम करने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन शुरू किया|

इसके साथ-साथ भारतीय गैर सरकारी संगठन इस आपातकाल की स्थिति से निपटने के लिए एक साथ आए| मार्च 2020 में ग्राम वाणी ने COVID-19 नेटवर्क शुरू किया। यह मोबाइल वाणी - तकनीक का उपयोग कर और जमीनी स्तर पर काम करने वाली संस्थाओं के साथ मिलकर जागरूकता को बढ़ाना, गलत सूचना को दूर करना, समुदाय में लोगों के अनुभव को साझा करना, और उनसे जुड़ना जिनको ज़रूरी चीजों या सेवाओं की आवश्यकता है (जैसे, भोजन, आश्रय, परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल) या जो अन्याय का सामना कर रहे हैं| इस सुविधा का उपयोग मुख्य रूप से ग़रीब और ग्रामीण आबादी द्वारा किया जा रहा है| कोविड 19 सेवा जो मुख्या रूप से मोबाइल आधारित सेवा है किसी भी मोबाइल फ़ोन के माध्यम से नि: शुल्क उपयोग किया जा सकता है

महामारी रोकथाम के उपायों की लागत और लाभों का पूरी तरह से मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

यह अध्ययन भारत में निम्न आय वर्ग और सामजिक रूप से पिछड़े लोगों पर COVID-19 महामारी के स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक परिणामों का एक चित्र दिखाता है|

हमारा विश्लेषण COVID-19 महामारी के शुरुआत के 100 दिनों (13 मार्च से 20 जून, 2020) पर आधारित है|

20 जून, 2020 तक ग्राम वाणी COVID-19 नेटवर्क में 26 से ज्यादा भारतीय गैर सरकारी संगठन, 10 राज्य और 80 से ज्यादा ज़िले शामिल थे और 10 लाख से अधिक फोन कॉल प्राप्त किये गए जिसमे 18,000 उपभोगताओं द्वारा सन्देश भी रिकॉर्ड किये गए थे|

ये ग़रीबों की आवाज़ हैं।

अध्ययन प्रणाली

हमने स्वास्थ्य के लिए मानव अधिकार और संयुक्त राष्ट्र 2030 सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर आधारित एक वैचारिक ढांचा विकसित किया।

हमने ग्राम वाणी COVID-19 नेटवर्क पर लोगों के द्वारा फ़ोन के माध्यम से रिकॉर्ड किए गए अनुभवों का विश्लेषण किया| यह प्लेटफ़ॉर्म स्वचालित रूप से सभी आउटगोइंग कॉल और इनकमिंग कॉल को COVID-19 नेटवर्क प्लेटफ़ॉर्म पर लॉग करता है।

प्रमुख विशेषताओं को संक्षेप में करने और कारकों के बीच संबंधों का पता लगाने के लिए परिमाणात्मक और चित्रात्मक विधियों का उपयोग किया गया।

COVID-19 नेटवर्क प्लेटफ़ॉर्म आवाज़ पर आधारित है इसलिए इसका हर कोई फ़ायदा उठा सकता है और उपयोगी जानकारी ले सकता है, सहायता के लिए अपने सन्देश को रिकॉर्ड कर सकता है और अपने अनुभव को फ़ोन के माध्यम से रिकॉर्ड करके बता सकता है| उपयोगकर्ता योगदान के विश्लेषण को करने के लिए 15 प्रशिक्षित फील्ड स्टाफ की एक टीम ने डेटा स्क्रीनिंग, डाटा प्रविष्टी और सत्यापन का कार्य किया।

100
दिन

विश्लेषण
13 मार्च से 20 जून 2020

परिणाम

पहले 100 दिनों में COVID-19 नेटवर्क प्लेटफार्म पर 917,587 व्यक्तिगत फ़ोन नंबरों से 10 लाख पंद्रह हज़ार कॉल किए। इसमें से 793,350 आउटबाउंड कॉल्स थे जो कि स्टूडियो-निर्मित कंटेंट (SGC) COVID-19 से सम्बंधित थे और 359,899 कॉल्स इनकमिंग कॉल थे।

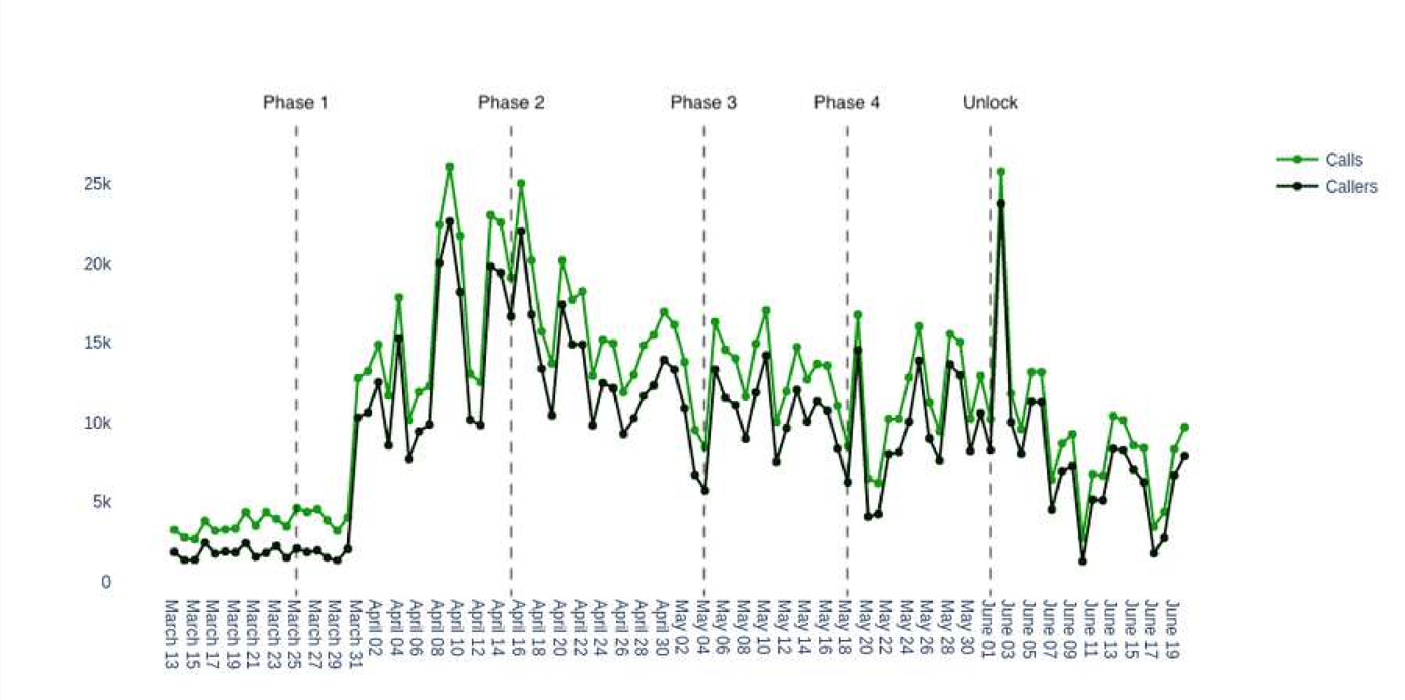

चित्र 1. 100-दिनों की अवधि में कुल कॉल और कॉलर्स का अस्थायी वितरण का विश्लेषण।

परिणाम

चित्र 2 भारत के अन्दर उपयोगकर्ताओं के योगदान के पैटर्न को दर्शाता है और साथ ही महामारी और स्थानीय स्थितियों से संबंधित कारकों को दर्शाता है। | गतिविधियों का वितरण एक दिए गए भू-भाग में COVID-19 नेटवर्क सहयोगी संगठनों की उपस्थिति को भी दर्शाता है|

चित्र2. COVID-19 नेटवर्क में उपयोगकर्ताओं के योगदान का स्थानिक वितरण, 13 मार्च – 20 जून, 2020

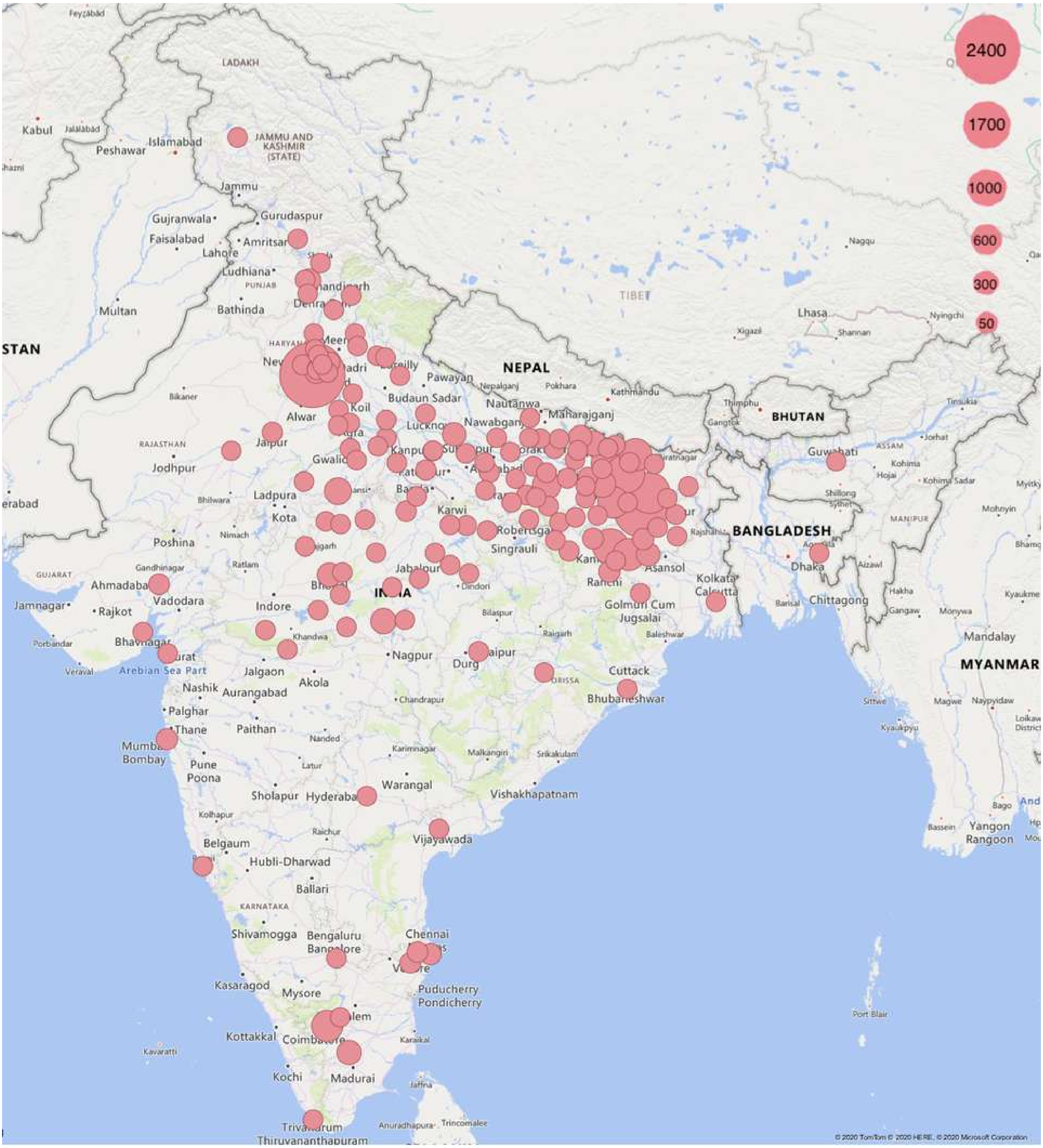

चित्र2. COVID-19 नेटवर्क में उपयोगकर्ताओं के योगदान का स्थानिक वितरण, 13 मार्च – 20 जून, 2020

परिणाम

स्टूडियो निर्मित विषय सामग्री **(SGC)** का विषय वार विश्लेषण

चित्र 3 श्रोताओं के द्वारा सुने गए 1,417,276 मिनट जिसमे श्रोताओं द्वारा उपयोग किए गये कुल 793,350 SGC कॉल के विषयों का सापेक्ष अनुपात को दिखाता है|

68%

बुनियादी स्वास्थ्य संवर्धन

चित्र **3: COVID-19** के लिए **SGC** का विषय वार विश्लेषण

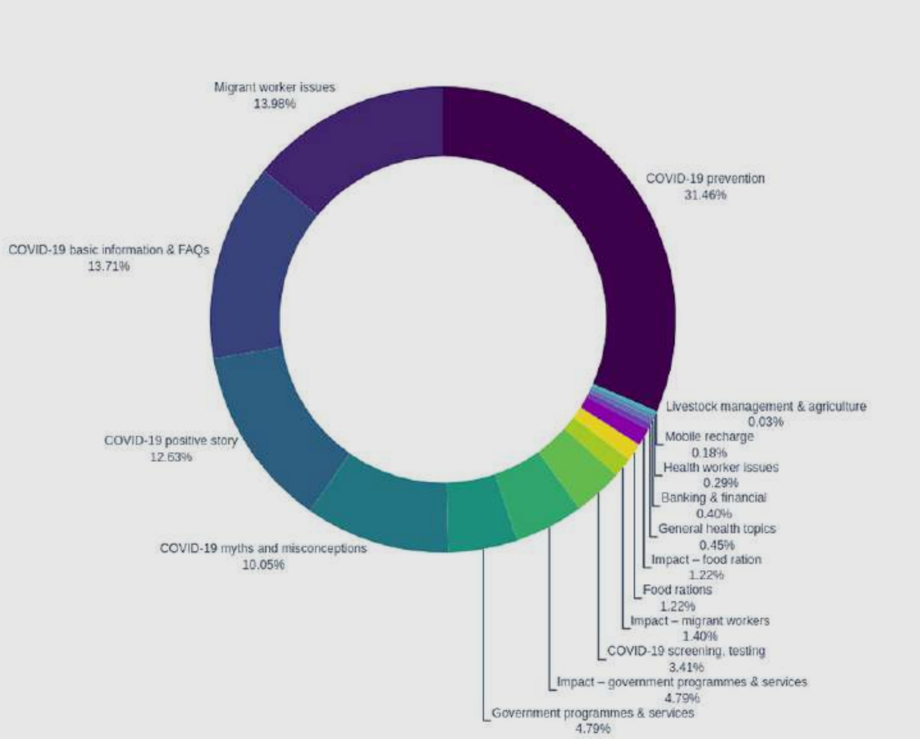

कॉलर्स के द्वारा उठाये गए मुद्दे

नेटवर्क उपयोगकर्ताओं द्वारा 6636 ऑडियो रिकॉर्डिंग का विश्लेषण बुनियादी आवश्यकताओं जैसे भोजन (48%), नकदी (17%), परिवहन (10%), और रोज़गार या आजीविका (8%) को पाने के लिए संघर्ष को दिखाता है।

चित्र **4: COVID-19 IVR** प्लेटफ़ॉर्म पर कॉल करने वालों द्वारा उठाए गए मुद्दे

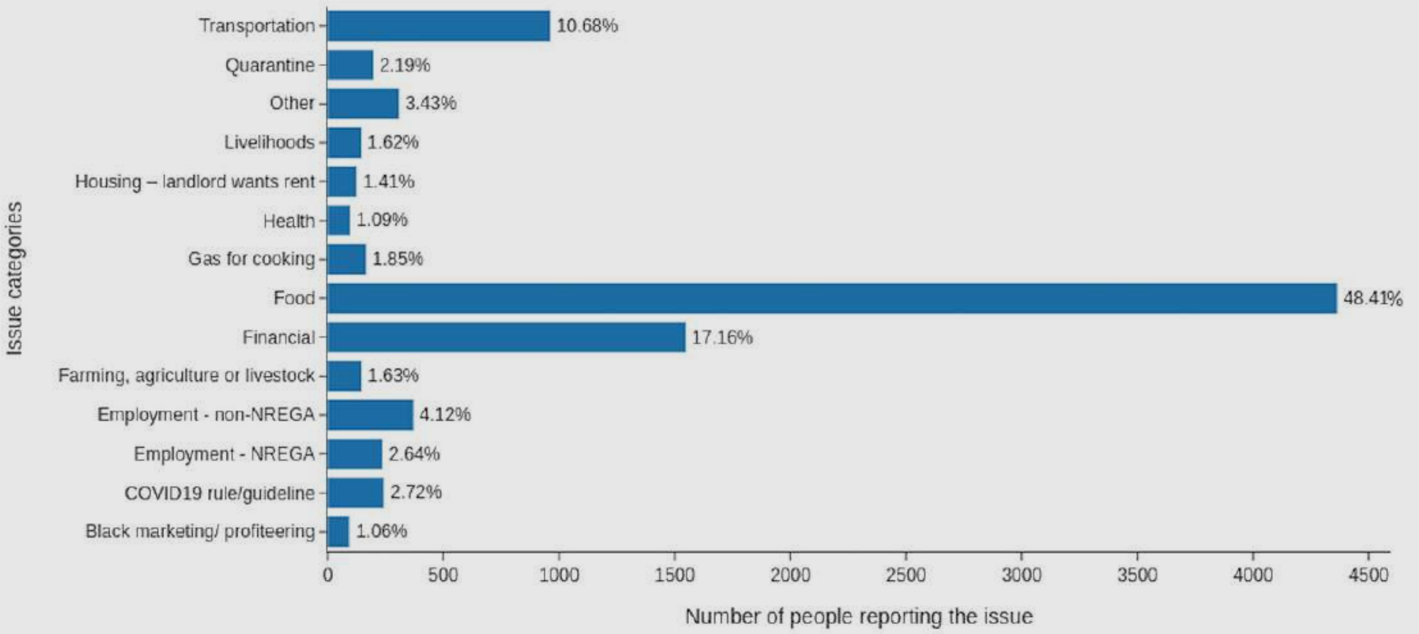

परिणाम

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की कमी

हमने सतत विकास के लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने में कमी को जानने के लिए कॉल करने वालों द्वारा उठाए गए मुद्दों को जोड़ कर देखने का प्रयास भी किया| 6636 कॉल्स जिनमें 18,764 मुद्दे सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) से संबंधित थे जिनका विश्लेषण किया और निम्न परिणामों को पाया|

चित्र **5:** कॉलर्स द्वारा उठाए गए मुद्दों का संयुक्त राष्ट्र **2030** सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार वर्गीकरण

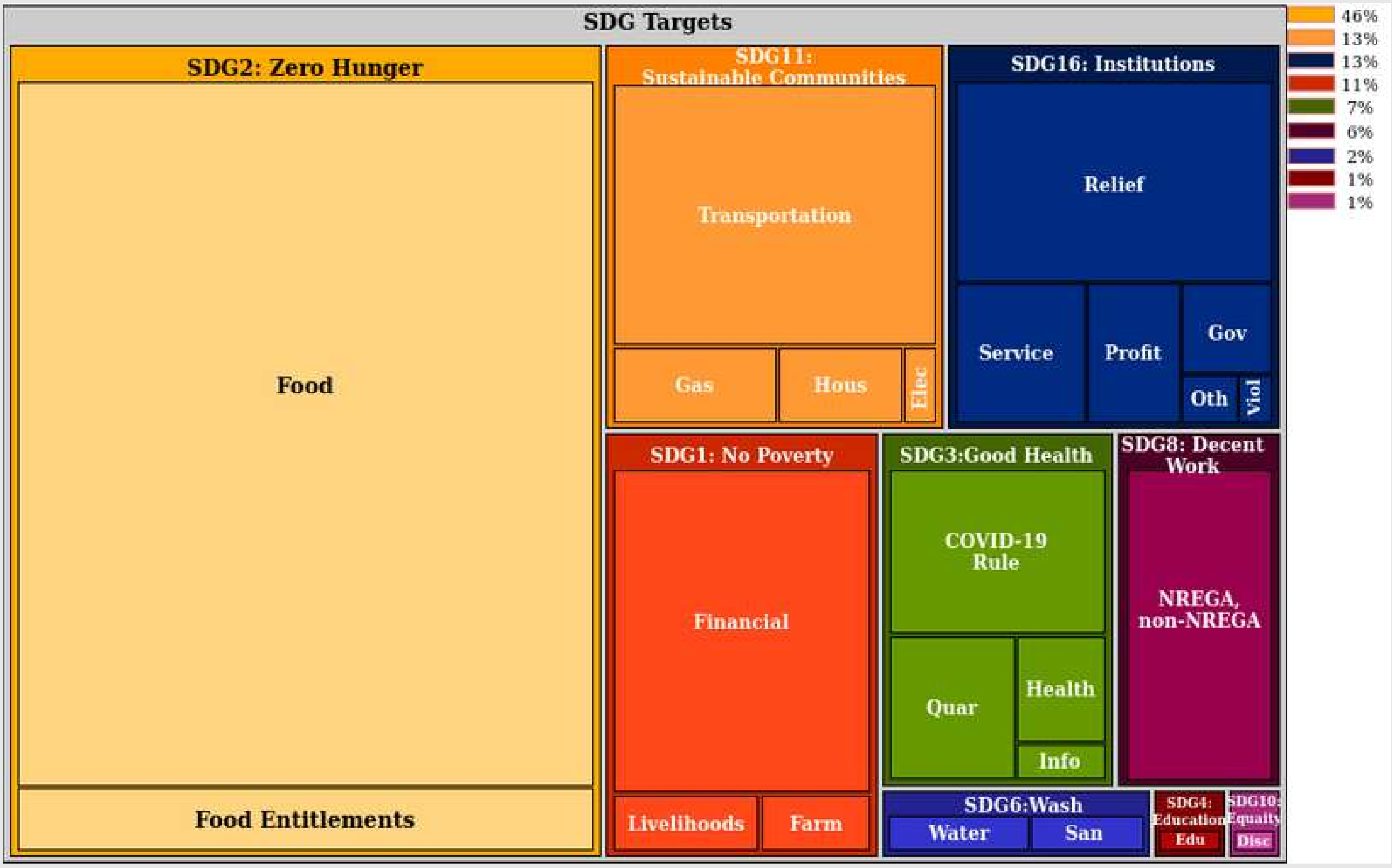

लीजेंड: **Elec**– बिजली; **Farm**- खेती, कृषि या पशुधन; **Gas** – उज्जवला योजना – खाना पकाने के लिए गैस; **Gov** - स्थानीय शासन (पंचायत); **Hous** –घर; **Profit** - काला बाजारी और मुनाफाखोरी / मूल्य वृद्धि; **Relief** - राहत के उपाय/ वित्तीय सेवाएं काम नहीं कर रही हैं; **Viol** -हिंसा, घरेलू या सांप्रदायिक

निष्कर्ष

नेटवर्क उपयोगकर्ताओं द्वारा की गई ऑडियो रिकॉर्डिंग जीवन के लिए आवश्यक बुनियादी आवश्यकताओं को पाने के लिए किये गए संघर्ष की पीड़ा को दर्शाती है| इन रिकॉर्डिंग्स के विश्लेषण से पता चलता है कि ग्राम वाणी के COVID -19 नेटवर्क कॉलर्स का एक बड़ा भाग ने COVID -19 महामारी का मुकाबला करने के लिए कड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के लिए आवश्यक बुनियादी आवश्यकताओं और अधिकारों के साथ मजबूरन समझौता किया।

- **भारत में पहले से मौजूद विकास घाटे और कमज़ोर सामाजिक सुरक्षा COVID-19 संकट के दौरान परेशानियों को और गंभीर बना रहा है|**
- **एक प्रभावी महामारी प्रतिक्रिया और रिकवरी के लिए एक समावेशी नीतिगत निर्माण और संस्थागत यानी की प्रसाशनिक सुधारों के माध्यम से संबोधित किया जाना चाहिए|**

आभार

फंडिंग: हम कृतज्ञतापूर्वक ओमिडयार नेटवर्क इंडिया (ONI, COVID19 रैपिड रिस्पॉन्स फंडिंग इनिशिएटिव के भाग के रूप में), COVID-19 प्रतिक्रिया-नेटवर्क संचालन, लाउडेस फाउंडेशन, बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को टॉप-अप फंड के लिए धन देने के लिए, COVID-19 राहत और जागरूकता प्रयासों के दायरे का विस्तार करने के लिए प्रोजेक्ट # INV-002938, और IC- IMPACTS इनोवेटिव टेक्नॉलजीज डेमोंस्ट्रेशन प्रोजेक्ट्स रिसर्च फंडिंग के लिए धन्यवाद करते हैं । अध्ययन के प्रायोजकों ने अध्ययन के डिजाइन, विश्लेषण और व्याख्या में, रिपोर्ट के लेखन में, या अध्ययन के प्रकाशन करने के निर्णय में कोई भूमिका नहीं निभाई है।

श्रेय: हम COVID-19 नेटवर्क सहयोगी संगठन, टीका वाणी टीम के अनुसंधान में योगदान और ग्राम वाणी सामुदायिक मीडिया के असाधारण काम और समर्पण के लिए धन्यवाद करते हैं।

हमारे सभी सहयोगियों की मदद से इस अध्ययन में डॉक्यूमेंट सभी सहायता के लिए आये अधिकांश सभी कॉल्स को राहत सहायता के लिए फॉलो-अप किया गया|

उद्धरण: मीरा जौहरी, सुमीत अग्रवाल, अमन खुल्लर, दिनेश चंद्र, विजय साई प्रताप, आदितेश्वर सेठ। *The first 100 days: How has COVID-19 affected poor and vulnerable groups in India?* 2020 Under review.

संपर्क करें

Gram Vaani
(OnionDev Technologies Pvt Ltd)
Gurgaon, Haryana INDIA
Phone: +91-124-4303258
Mobile: 99100 12946 / 98801 91818
https://gramvaani.org/
Email: covid-response@gramvaani.org

ONIONDEV

gramvaani

TIKA VAANI
Partner. Innovate. Accelerate.

Université de Montréal

IIT Delhi
Indian Institute of Technology Delhi